

प्रेषक,

एन०के०जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग
उद्योग निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: २५ मार्च 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए 03-अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत पुर्नविनियोग द्वारा धनराशि स्वीकृत के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:5737/उ०नि०(दो)-40/बजट(पु०वि०)/2008-09 दिनांक 06 मार्च 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि उद्योग निदेशालय के अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत 05-स्थानान्तरण यात्रा मद तथा 10-जलकर/जल प्रभार हेतु क्रमशः रु० 2.10 लाख तथा रु० 0.29 लाख अर्थात् कुल रु० 2.39 लाख की धनराशि पुर्नविनियोग के माध्यम से संलग्न बी०एम०-13 के अनुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2009 तक कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे उक्त तिथि तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851- ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनेत्तर, 102-लघु उद्योग, 03-अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:1427/XXVII(1)/2008 दिनांक 23 मार्च 2009, में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(एन0के0जोशी)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 538 / VII-II-09 / 69-उद्योग / 06तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2।
8. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(एन0के0जोशी)
अपर सचिव।